

ॐ श्री हनुमते नमः ॐ

श्री

हनुमान चालीसा

شری ہنومان چالیسیہ

प्रकाशकः
किशोर सपलाइ सैन्डिकेट
गणपतयार, श्रीनगर ।

❀ दोहा ❀

श्री गुरु चरण सरोजरज, निज मन मुकुर सुधार ।

बरगौरधुबर विमलयश, जो दायक फल चार ॥

बुद्धिहीन तनु जानिकै, सुमिरौ पवनकुमार ।

बल बुद्धि विद्या देहु मोहिं, हरहु कलेश विकार ॥

شری گورو چرن سروج جی، دے من مکر سدھار
پر توں رکھو بر و مل شیش، جو دایک پھل حیا

بہی نہیں تنو جانہ کے، سبوں کوں کمار -
 بنی بدھتی و دیا دے سو موہی، ہر توہ کلیش بکار -
 چوپائی = چوپائی =

جय हनुमान ज्ञान गुण सागर ।
 जय कपील तिहू लोक उजागर ॥
 جے 'ہنومان' گیان گن ساگر - جے کپیس تہوں لوں جاگر
 रामदूत अतुलित बल धामा ।
 अंजनि-पुत्र पवन-सुत नामा ॥
 رام दूत اولت بل دھام - انجینی پتر پون ہمت ناما
 महावीर विक्रम बजरंगी ।
 कमति निवार सुमति के संगी ॥
 مہا ویر بکر م بجرنگی - کماتی نیوار سو ماتی کے سنگی
 कंचन वरुण विराज सुवैशा ।
 कानन कंडल कुंचित केशा ॥
 کچن کرن براج سویشا - کانن کنڈل کچت کیشا
 हाथ बज्र औ ध्वजा विराजै ।
 कांधे मूज जनेऊ साजै ॥
 ہاتھ بجر او دھوا براجے - کانڈھے موں جنے او سا جے

शंकर-सुवन केशरी-नन्दन ।

तेज प्रताप महा जग-बन्दन ॥

شکر سوون کیشری نندن، تیج پرتاپ ہاجگ وندن

विद्यावान गुणी अति चातुर ।

राम काज करिबे को आतुर ॥

وردیادان گنی آتی چاتر، رام کاج کرے کو آتور

प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया ।

राम लषण सीता मन बसिया ॥

پریمو چرتر سنیبے کو رسیا، رام لشن سیता من بسیا

सुहृम रूप धरि सियहिं दिखावा ।

विकट रूप धरि लंक जरावा ॥

سوکھتم روپ دھری ہین دکھاوا، وکٹ روپ دھری لंक جاراوا

भीम रूप धरि असुर संहारे ।

राम चन्द्र के काज संवारे ॥

بہیم روپ دھرا سر سہارے، رام چندر کے کاج سنوارے

लाय सजीवन लषन जियाये ।

श्री रामबीर हरषि उर लाये ॥

لائے سچیون لشن جیا یے، شری رام بھو بیر ہرشی اور لایے

رघुपति کی نی بہت بڑا ہے ۔
 تم سم پریم بہت بڑا ہے ، تم سم پریم بہت بڑا ہے ۔
 سہس بदन तुम्हरो यश गावें ।
 अस कहि श्रीपति कण्ठ लगावें ॥
 सनकादिक ब्रह्मादि मुनीश ।
 नारद शारद सहित अहीश ॥
 सनकादिक ब्रह्मादि मुनीश ، नारद शारद सहित अहीश
 यम कुबेर दिक्पाल जहाँ ते ।
 कवि कौबिद कहि सकें कहाँ ते ॥
 यम कुबेर दिक्पाल जहाँ ते ، कवि कौबिद कहाँ ते
 तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हा ।
 राम मिलाय राज पद दीन्हा ॥
 तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हा ، राम मिलाय राज पद दीन्हा
 तुम्हरो मन्त्र विभीषण माना ।
 लंकेश्वर भये सब जग जाना ॥
 तुम्हरो मन्त्र विभीषण माना ، लंकेश्वर भये सब जग जाना

युग सहस्र योजन पर मानू ।
 लौल्यो ताहि मधुर फल जानू ॥
 یک شہتر یوحن پر جانو، لیلیو تابی نہ دھڑکل جانو
 प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माहीं ।
 जलधिलौ धिगये अचरज नाहीं ॥
 پر جھو مڈریکا میلی مکھ باہیں، جلدی لائیکہ گئے اچر ج ناہیں
 दुर्गम काज जगत के जेते ।
 सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते ॥
 درگم کا ج جگت کے جتے، سگم انو گریہ تہرے تے
 राम दुवारे तुम रखवारे ।
 होत न आज्ञा बिन पैसारे ॥
 رام دوارے تم رکھوارے، ہوت نہ آگیا بن پیسارے
 सब सुख लहै तुम्हारी सरना ।
 तुम रखक काह को डरना ॥
 سب سکھ لئے تمہاری سرنا، تم رکھک کاہ کو ڈرنا
 आपन तेज सम्हारौ आपै ।
 तीनों लोक हाँकते काँपै ॥
 آپن تیج سمہارو آہیں، تینوں لوک ہانکتے کانپیں

भूत पिशाच निकट नहिं आवैं।
 महाबीर जब नाम सुनावैं ॥
 صیوت پشاج، بکف نہیں آویں، مہا بীর جب نام سناویں
 नाशै रोग हरै सब पीरा ।

जपत निरंतर हनुमत बीरा ॥
 नाशै रोग हरै सब पीरा، जित भरतर भुमंत बीरा
 संकट से हनुमान छोड़ावैं ।

मन क्रम बचन ध्यान जो लावैं ॥
 संकट से भुमान छुड़ावैं، मन कर्म बचन ध्यान जो लावैं
 सब पर राम तपस्वी राजा ।

तिनके काज सकल तुम साजा ॥
 सब पर राम तपस्वी राजा، तिनके काज सकल तुम साजा
 और मनोरथ जो कोई लावै ।

तासु अमित जीवन फल पावैं ॥
 اور मनोरथ जो कोئی लावے، तासु अमित जीवन फल पावے

चारहु युग परताप तुम्हारा ।
 है परसिद्ध जगत उजियारा ॥
 چار ہونگ پر تاپ تمہارا، ہے پرسیدہ جگت اُجیارا

साधु संत के तुम रखवारे ।
 असुर निकंदन राम दुलारे ॥
 साधु संत के तुम रखवारे ، असुर निकंदन राम दुलारे
 अष्टसिद्धि नवनिधि के दाता ।
 अस बर दीन जानकी साता ॥
 अष्टसिद्धि नवनिधि के दाता ، अस बर दीन जानकी साता
 राम रसायन तुम्हरे पासा ।
 सदा रहौ रघुपति के दासा ॥
 राम रसायन तुम्हरे पासा ، सदा रहौ रघुपति के दासा
 तुम्हरे भजन राम को भावै ।
 जन्म जन्म के दुख बिसरावै ॥
 तुम्हरे भजन राम को भावै ، जन्म जन्म के दुख बिसरावै
 अन्तकाल रघुपति पुर जाई ।
 जहाँ जन्मि हरिभक्त कहाई ॥
 अन्तकाल रघुपति पुर जाई ، जहाँ जन्मि हरिभक्त कहाई
 अंतकाल रघुपति पुर जाई ، जहाँ जन्मि हरिभक्त कहाई
 और देवता चित न धरई ।
 हनुमत सेइ सर्व सुख करई ॥
 और देवता चित न धरई ، हनुमत सेइ सर्व सुख करई
 संकट हरै मिटै सब पीरा ।
 जो सुमिरै हनुमत बल बीरा ॥
 संकट हरै मिटै सब पीरा ، जो सुमिरै हनुमत बल बीरा

